समन्वय समिति

डॉ० सरल अवस्थी	हिन्दी विभाग
डॉ० नलिनरंजन सिंह	हिन्दी विभाग
डॉ० अनिल त्रिपाठी	हिन्दी विभाग

आयोजन समिति

डॉ० अरुण कुमार मिश्र	वाणिज्य विभाग
डॉ० के.के. शुक्ल	वाणिज्य विभाग
डॉ० एस.सी. हजेला	अंग्रेजी विभाग
डॉ० भारती पाण्डेय	अर्थशास्त्र विभाग
डॉ० रितु घोष	समाजशास्त्र विभाग
डॉ० विवेक सिंह	वनस्पति विज्ञान विभाग
डॉ० प्रवीण कुमार	बी०एड० विभाग
डॉ० सिद्धार्थ सिंह	अंग्रेजी विभाग
डॉ० गिरिजेश त्रिपाठी	प्रा० भा० इतिहास विभाग
डॉ० जितेन्द्र अवस्थी	गणित विभाग
डॉ० समन खान	बी०बी०ए० विभाग
डॉ० शिवांगी शर्मा	बी०बी०ए० विभाग
डॉ० मानसमणि तिवारी	अर्थशास्त्र विभाग
डॉ० विपिन पाण्डेय	अंग्रेजी विभाग

बुक पोस्ट

सेवा में,

.....

.....

.....

प्रेषक

प्रो० एस.डी. शर्मा
प्राचार्य
श्री जय नारायण स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, लखनऊ

श्री जय नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ

पंजीकरण फार्म

नाम .....

पद .....

विश्वविद्यालय/महाविद्यालय/पता .....

.....

ई-मेल .....

मोबाइल नं० .....

शोधपत्र शीर्षक .....

.....

पंजीयन शुल्क देय

आनलाईन/डीडी/आर टी जी एस/कैश/अन्य .....

शुल्क विवरण .....

धनराशि .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर

दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

21-22 दिसम्बर, 2018

आधुनिक भारत में राष्ट्रवादः परिकल्पना और चुनौतियाँ

हिन्दी विभाग

श्री जय नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ

(नैक द्वारा ग्रेड 'ए' प्रत्यायित)

उ० प्र० भाषा संस्थान लखनऊ द्वारा संपोषित

मुख्य संरक्षक

श्री वी.एन. मिश्र
अध्यक्ष, महाविद्यालय प्रबन्ध समिति
श्री जी.सी. शुक्ल
मंत्री प्रबन्धक, महाविद्यालय प्रबन्ध समिति

संरक्षक

प्रो० एस.डी. शर्मा
प्राचार्य
डॉ० राजनारायण शुक्ल
कार्यकारी अध्यक्ष, उ०प्र० भाषा संस्थान, लखनऊ

निदेशक

श्री एस.एन.वाजपेयी
प्रभारी हिन्दी विभाग

श्री आद्यादत्त त्रिपाठी
निदेशक, उ०प्र० भाषा संस्थान, लखनऊ

संयोजक

डॉ० वन्दना श्रीवास्तव

आयोजन सचिव

डॉ० रमेश प्रताप सिंह

सह संयोजक

डॉ० क्षमा मिश्र

डॉ० देविका शुक्ल

प्रो० एस.डी. शर्मा
प्राचार्य

डॉ० राजनारायण शुक्ल
कार्यकारी अध्यक्ष,
उ०प्र० भाषा संस्थान, लखनऊ

डॉ० वन्दना श्रीवास्तव
संयोजक

डॉ० रमेश प्रताप सिंह
आयोजन सचिव

डॉ० क्षमा मिश्र
सह संयोजक

डॉ० देविका शुक्ल
सह संयोजक

प्रिय प्रतिभागी
शुभमस्तु

श्री जय नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ द्वारा दिनाँक 21-22 दिसम्बर 2018 को आयोजित एवं भाषा संस्थान लखनऊ द्वारा सम्पोषित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आपका स्वागत करते हुए हम अत्यंत हर्ष एवं सम्मान का अनुभव कर रहे हैं।

राष्ट्रवाद की वर्तमान अवधारणा एक तरफ आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एकता पर आधारित है, वहीं दूसरी तरफ उसे एक वर्ग विशेष का पर्याय मान उसके नाम से ही एक वर्ग बेचैन हो उठता है। वर्तमान समय में भारत चौतरफा विघटनकारी शक्तियों से घिरा है यह विघटनकारी शक्तियाँ राष्ट्र को बाहर और भीतर दोनों से खोखला करने के लिए प्रयासरत हैं। छद्म धर्मनिरपेक्षता, वोट की राजनीति, सत्तालोलुपता ने जहाँ राष्ट्र को स्वार्थपूर्ति का अखाड़ा बना दिया है, वहीं बुद्धिजीवी खोखले वैचारिक शगूफे छोड़ने में लगे हैं। जनता निराश हो निरपेक्ष होती जा रही है। आश्चर्य है कि राष्ट्रवाद में भी उग्रराष्ट्रवाद और उदार राष्ट्रवाद जैसी बहस हो रही है। स्वयं राष्ट्रवाद शब्द को ही कटघरे में खड़ा कर दिया गया है। ऐसे में राष्ट्रवाद का वास्तविक स्वरूप क्या है तथा आधुनिक भारत में राष्ट्रवाद के समक्ष कौन-कौन सी चुनौतियाँ हैं इस विषय पर विचार करना आवश्यक हो गया है। अतः इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए हमने 'आधुनिक भारत में राष्ट्रवादः परिकल्पना और चुनौतियाँ' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रस्तावित की है।

हमें राष्ट्रवाद के स्वरूप के साथ ही जातीयता एवं साम्प्रदायिकता के अन्तर पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। जातीय राष्ट्रीयता तथा धर्मनिरपेक्षता और भारतीय राष्ट्रीयता तथा हिन्दू राष्ट्रीयता के पारस्परिक सम्बन्ध एवं अन्तर को स्पष्ट करना भी आवश्यक है। इस संगोष्ठी में हम प्रयास करेंगे कि उपरोक्त सभी पक्षों पर हम गम्भीरता से विचारकर उचित निष्कर्ष प्राप्त कर सकें जिससे राष्ट्रवाद के नाम पर फैला भ्रम दूर हो सके और हम राष्ट्रवाद के सम्मुख आने वाली चुनौतियों को पहचान कर निर्द्वंद्वभाव से राष्ट्रहित में रत हों एवं राष्ट्र को विघटनकारी शक्तियों से बचाकर अपने राष्ट्र को उन्नति के मार्ग पर लेकर चलें।

आयोजन समिति आप समस्त इच्छुक प्रतिभागियों का इस विचार मंच में स्वागत करती है और आशा करती है कि राष्ट्रवाद के सम्बन्ध में फैली भ्रांति धारणाओं को भंग करने में, राष्ट्रवाद के वास्तविक स्वरूप को समझने में, देश की एकता एवं अखण्डता को बनाये रखने में यह संगोष्ठी एवं इससे प्राप्त निष्कर्ष हमारे लिए सहायक सिद्ध होंगे। हम आपकी गरिमामयी उपस्थिति एवं अमूल्य विचारों के आकांक्षी हैं।

महाविद्यालय एक दृष्टि

श्री जयनारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय (के. के. सी.) प्रदेश के प्रतिष्ठित महाविद्यालयों में एक है जिसकी स्थापना सन् 1917 में हुई। इस समय महाविद्यालय में बी. ए., बी. एस-सी., बी. कॉम., एल. एल. बी., बी. एड., एम. ए., एम. कॉम., बी. पी. एड., बी. बी. ए., बी. कॉम. आनर्स आदि अनुशासनों में 10,000 से अधिक छात्र - छात्राएं अध्ययनरत हैं। यह महाविद्यालय नैक द्वारा ग्रेड "ए" प्रत्यायित है। के. डी. सिंह बाबू, मो. शाहिद जैसे विश्व स्तरीय खिलाड़ी एवं डॉ. हरिकृष्ण अवस्थी (पूर्व कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय) डॉ. लक्ष्मीशंकर मिश्र "निशंक" (ख्याति प्राप्त साहित्यकार, भारत भारती से सम्मानित) जैसे अनेक गणमान्य व्यक्ति महाविद्यालय के छात्र रहे हैं।

मुख्य विषय

आधुनिक भारत में राष्ट्रवादः परिकल्पना और चुनौतियाँ

उपविषय

- राष्ट्रवाद की अवधारणा
- भारत में राष्ट्रवाद का स्वरूप
- भारत में राष्ट्रवाद का इतिहास
- राष्ट्रवाद के समक्ष चुनौतियाँ
- साहित्य में राष्ट्रवाद
- राष्ट्रवाद का भारत के विकास में योगदान
- राष्ट्रवाद एक सामाजिक दृष्टि
- भारतीय शिक्षा प्रणाली एवं राष्ट्रवाद
- राष्ट्रवाद का वैश्विक परिदृश्य
- राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय एकीकरण
- मीडिया में राष्ट्रवाद
- आर्थिक राष्ट्रवाद
- मुख्य विषय से सम्बन्धित अन्य विषय

विषय-विशेषज्ञ

• प्रो० सूर्य प्रसाद दीक्षित	लखनऊ, उ०प्र०
• प्रो० आर० के० मिश्र	लखनऊ, उ०प्र०
• प्रो० सदानन्द गुप्त	लखनऊ, उ०प्र०
• प्रो० ए० पी० तिवारी	लखनऊ, उ०प्र०
• ओक्साना तोरोजियन	फिजी
• प्रो० वेद प्रकाश बटुक	कैलिफोर्निया
• प्रो० पूर्णिमा वर्मा	लन्दन
• डॉ० गंगा प्रसाद शर्मा	चीन
• प्रो० वाई० पी० सिंह	लखनऊ,उ०प्र०
• प्रो० पवन अग्रवाल	लखनऊ, उ०प्र०
• डॉ० प्रणव शर्मा	लखीमपुरखीरी, उ०प्र०
• डॉ० रंजीत जाधव	लातूर, महाराष्ट्र
• डॉ० जितेन्द्र श्रीवास्तव	इग्नू, नई दिल्ली
• डॉ० बृजेन्द्र पाण्डेय	लखनऊ, उ०प्र०
• डॉ० रविकान्त	लखनऊ, उ०प्र०
• डॉ० बृजेश पाण्डेय	इलाहाबाद, उ० प्र०
• डॉ० अनिल कुमार विश्वकर्मा	बाराबंकी, उ०प्र०
• डॉ० अमरेन्द्र त्रिपाठी	इलाहाबाद, उ० प्र०

- पंजीयन विवरण

- शोधसार एवं शोध पत्र प्रेषण - 30 नवंबर 2018 तक
- शोधपत्र हिंदी अथवा अंग्रेजी में अधिकतम 3000 शब्दों में और शोधसार 500 शब्दों में अंतिम तिथि तक नीचे दी गयी ई मेल आई डी पर अवश्य प्रेषित कर दें।
- शोध आलेख के साथ प्रमाण पत्र (मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि मेरा शोधपत्र मौलिक एवं अप्रकाशित है) होना अनिवार्य है।
- विषय विशेषज्ञों द्वारा चुने हुए पूर्ण शोध पत्रों का प्रकाशन पुस्तकाकार रूप में (ISBN सहित) किया जायेगा
- प्रतिभागियों को यात्रा एवं निवास का व्यय देय नहीं होगा।

प्रारूप

भाषा	फौन्ट
अंग्रेजी	Times New Roman
हिन्दी	कृतिदेव 10

पंजीयन शुल्क

शिक्षकों हेतु ₹750, शोधार्थी हेतु ₹400 मात्र
भारत से बाहर के प्रतिभागियों हेतु पंजीयन शुल्क 100$ एवं शोधार्थियों हेतु 50$ मात्र

पंजीयन शुल्क देय

पंजीयन शुल्क डिमांड ड्राफ्ट (प्राचार्य जे. एन. पी. जी कॉलेज लखनऊ के नाम देय) अथवा बैंक अकाउंट नंबर(State Bank of India - 35955779681, IFSC Code-SBIN0011214) अथवा नगद में देय होगा।

संपर्क

ई-मेलः sangoshthihindi2018@gmail.com; वेबसाइटः www.jnpg.org.in

डॉ० वन्दना श्रीवास्तव	7754959451
डॉ० रमेश प्रताप सिंह	9415070050
डॉ० क्षमा मिश्रा	6386675561
डॉ० देविका शुक्ल	9454200898

आयोजन स्थल

श्री जयनारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ, उ० प्र०
21 - 22 दिसम्बर 2018